सत्यमेव जयते

खंड ८ संख्या १

बिहार विधान सभा वादवृत्त
सरकारी रिपोर्ट

सोमवार, तिथि १२ सितम्बर, १९५५ ।

Vol. VIII No. 1

The
Bihar Legislative Assembly
Debates
Official Report

Monday, the 12th September 1955.

अधीक्षक, सचिवालय मुद्रणालय, बिहार,
पटना, द्वारा मुद्रित,
१९५६ ।

[मूल्य—६ आना ।]
[*Price—Annas 6.*]

बिहार विधान सभा वादवृत्त

भारत के संविधान के उपबन्ध के अनुसार एकत्र विधान सभा का कार्य विवरण

सभा का अधिवेशन पटने के सभा सदन में सोमवार, तिथि १२ सितम्बर १९५५ को ११ बजे पूर्वाह्न में माननीय अध्यक्ष श्री बिन्ध्येश्वरी प्रसाद वर्म्मा के सभापतित्व में हुआ।

भारतीय संविधान के प्रतिनिष्ठा की शपथ ग्रहण।

OATH OF ALLEGIANCE TO THE CONSTITUTION OF INDIA.

नाम।	निर्वाचन क्षेत्र।
श्री शेख ताहिर हुसेन।	पश्चिम बेनीपट्टी।

अध्यक्ष का स्वागत भाषण।

WELCOME ADDRESS BY THE SPEAKER.

अध्यक्ष—माननीय सदस्यों, बिहार विधान सभा के अष्टम सत्र में भाग लेने के लिये आये हुए आपलोगों का मैं हृदय से स्वागत करता हूं। आशा करता हूं कि पहले की तरह सभा की कार्यवाही में आपका सहयोग मुझे प्राप्त रहेगा।

सभापतियों की क्रमणिका का मनोनयन।

NOMINATION TO PANEL OF CHAIRMEN.

अध्यक्ष—वर्त्तमान सत्र के लिये सभा नियमावली के नियम ९ के अनुसार सभापति की तालिका के लिये मैं निम्नलिखित सदस्यों को मनोनीत करता हूं :—

(१) श्री बिन्धेश्वरी प्रसाद मंडल।

(२) श्री अम्बिका सिंह।

(३) श्री अब्दुल समी नदवी।

(४) श्री चुनका टुम्ब्रोम।

डा० श्रीकृष्ण सिंह—(क) और (ख) मांगी गयी सूचनाओं का विवरण सरलतया प्रस्तुत नहीं, तथा उन्हें एकत्रित करने में जो समय और श्रम लगेगा वह प्राप्त फल के अनुरूप न होगा।

(ग) सम्पूर्ण दरौली थाना के लिए एक राष्ट्रीय-विस्तार-सेवा-प्रखंड खोला गया है।

आजमनगर थाने में पंच-वर्षीय योजना में हुए खर्च।

१००। श्रीमती पार्वती देवी—क्या मंत्री, विकास (आयुक्त) विभाग, यह बताने की कृपा करेंगे कि पूर्णियां जिला अन्तर्गत आजमनगर थाने में पंच-वर्षीय योजना के विगत तीन वर्षों में कितना खर्च सरकार ने किया है तथा भिन्न-भिन्न कामों पर कितना खर्च हुआ है?

डा० श्रीकृष्ण सिंह—मांगी गयी सूचनाओं का विवरण सरलतया प्रस्तुत नहीं, तथा उन्हें एकत्रित करने में जो समय और श्रम लगेगा वह प्राप्त फल के अनुरूप न होगा।

चम्पारण जिले में डकैती, चोरी आदि की संख्या।

१०१। श्री राधा पांडेय—क्या मुख्य मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि—

(क) १९५३ के जनवरी से १९५४ के दिसम्बर तक चम्पारण जिले में कितनी डकैती, चोरी, पाकेटमारी, खून आदि हुए हैं;

(ख) १९५३ के जनवरी से १९५४ के दिसम्बर तक कितने की सम्पत्ति उक्त डकैती, चोरी तथा पाकेटमारी से लूटी गयी है?

डा० श्रीकृष्ण सिंह—(क) और (ख) विस्तृत विवरण नीचे दिये जाते हैं:—

अपराध का शीर्षक।	मामलों की संख्या।	लूटी गई संपत्ति का मूल्य।
		रु०
डकैती	११५	१,७६,९७४
चोरी	१,१३४	१,६१,२३८
पाकेटमारी	..	..
खून	७२	..

रक्सौल थाने में चोरी-डकैती आदि की संख्या।

१०१अ। श्री राधा पांडे—क्या मुख्य मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि—

(क) १९५२ के जनवरी से १९५४ के दिसम्बर तक चम्पारण जिलान्तर्गत रक्सौल थाने में कितनी चोरी, डकैती और पाकेटमारी हुई है;

(ख) १९५२ के जनवरी से १९५४ के दिसम्बर तक कितनी सम्पत्ति उक्त चोरी, डकैती तथा पाकेटमारी में लूटी गयी है?

डा० श्रीकृष्ण सिंह—(क) और (ख) विस्तृत विवरण नीचे दिये जाते हैं:—

अपराध का शीर्षक।	मामलों की संख्या।	लूटी गई सम्पत्ति का मूल्य।
		रु०
डकैती	४	५,९४७
चोरी	८८	१०,४९५
पाकिटमारी	..	..

नोट—पाकेटमारी के मामले अलग दर्ज नहीं किये जाते, चोरी के खाने में ही दर्ज किये जाते हैं।

बोधगया राष्ट्रीय विस्तार-सेवा-प्रखंड द्वारा किये गये कार्य।

१०२। श्री जगलाल महतो—क्या मुख्य मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि—

(क) क्या सरकार बोधगया राष्ट्रीय विस्तार सेवा प्रखंड (केन्द्र) द्वारा किये गये कार्यों की सूची सदन के सामने प्रस्तुत करना चाहती है;